

प्रेषक,

एल०ए०५० पन्ना,

सचिव, वित्त,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सम्भक्त अधिसारी अधिकारी,

नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,

(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून = दिनांक: 19 जनवरी, 2010

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु नगर पंचायतों को वित्तीय त्रैमास की किस्त की धनराशि का भ्रंश।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के अन्तर्गत पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 27 नगर पंचायतों को सलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की वित्तीय त्रैमासिक किस्त हेतु ₹ 36405000.00 (रु० तीन करोड़ चौसठ लाख पाँच हजार मात्र) की धनराशि संकलित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपरोक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संकलित की जा रही है:-

(1) संकलित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये वित्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संकलित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-1674/XXVII/(1)/2008 दिनांक 22 नवम्बर, 2008 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमत्त नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग संकलित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेगा तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होगा। कोषागार से आहरित धनराशि का साठवर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेगी।

(3) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त निरीक्षक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त निरीक्षक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा माग्ले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।



3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं की क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजन-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतें/नोटीफाइड एरिया/कनेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत कर्तों से समनुदेशन-00-20-साहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता को नार्मेडाला जायेगा।

संलग्नक:-बन्धोपरि।

भवदीय,
18/11/20

(एस0एम0 पन्त)
राजिव

संख्या:- 4। (1)/XXVII(1)/2010 तददिनांक।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलामुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ, उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- ज़मस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थ, देहरादून।
- 7- ज़मस्त मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10- एन0 आई0सी0, सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,
18/11/20

(एस0एम0 पन्त)
राजिव


शासनादेश संख्या: 41 / XXVII (i) / 2010.

दिनांक: 19 जनवरी, 2010 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए नगर पंचायतों को चतुर्थ किरत हेतु अवमुक्त संकल्प।

क्र.सं.	शहरी स्थानीय निकाय	चतुर्थ किरत हेतु देय संकल्प
1	2	3
1-	नगर पंचायत	
1-	बड़कोट	3128
2-	गन्दप्रयाग	471
3-	कर्णप्रयाग	2893
4-	गोवर	2440
5-	मुनिशोरेली	1583
6-	जोतिनगर	471
7-	धम्डा	1025
8-	डीरवाला	906
9-	हल्द्वटपुर	2163
10-	कालाबुगी	626
11-	भौनताल	912
12-	लालकौआ	1186
13-	दिनेशपुर	1840
14-	सुल्तानपुर	798
15-	कैलाशदेहा	1297
16-	शाकिगढ़	965
17-	मुहुआ खेड़ा गंज	739
18-	गहुआखेड़ा	940
19-	हारहाट	1351
20-	डीरहाट	892
21-	घारगुला	2554
22-	चम्पाकत	939
23-	लोहाघाट	1059
24-	झबरेड़ा	735
25-	लण्डोरा	1254
26-	लवणर	2188
27-	देवप्रयाग	832
	योग	96405

(रु० तीन करोड़ बीसठ लाख पाच हजार मात्र)


18/1/2010
(एस०एम० पन्त)
सचिव, वित्त